

VISIONIAS

INSPIRING INNOVATION

ABHYAAS MAINS

निबंध ESSAY

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time Allowed: **Three Hours**

टेस्ट कोड/ Test Code : 3128

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

सामान्य अनुदेश

इस प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में 32+2 पृष्ठ हैं। प्रश्न-पत्र, क्यू.सी.ए. पुस्तिका के अंत में संलग्न है, जो अलग (वियोज्य) किया जा सकता है और उम्मीदवार परीक्षा के उपरांत अपने साथ ले जा सकते हैं।

रफ कार्य के लिए तीन खाली पृष्ठ (पृष्ठ संख्या. 30-32) दिए गए हैं।

पुस्तिका प्राप्त होने पर, कृपया यह जांच कर लें कि इस क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कोई कमी न हो, फटा हुआ पृष्ठ न हो अथवा कोई पृष्ठ गायब न हो इत्यादि। यदि ऐसा हो, तो इसके बदले नई क्यू.सी.ए. पुस्तिका प्राप्त कर लें।

General Instructions

This Question-cum-Answer (QCA) Booklet contains 32+2 pages. Question Paper in detachable form is available at the end of the QCA Booklet which can be taken away by the candidate after examination.

Three blank pages (Page Nos. 30-32) have been provided for rough work.

On receipt of the Booklet, please check that this QCA Booklet does not have any shortcomings, torn or missing pages etc. If so, get it replaced with a fresh QCA Booklet.

(उम्मीदवार द्वारा भरा जाएगा/To be filled by the Candidate)

पंजीकरण सं./Registration No. : 1562623

अभ्यर्थी का नाम/Name of Student : Ajink.

माध्यम: हिंदी/अंग्रेजी
Medium: Hindi/English

English

तारीख
Date

31/08/24

निबंध ESSAY

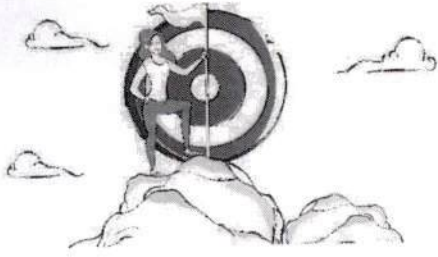
केंद्र

Centre :- JVSD Sr. Sec. School,
New Deehi

[Signature]

निरीक्षक के हस्ताक्षर
Invigilator's Signature

	<p style="text-align: center;">महत्वपूर्ण अनुदेश</p> <p>उम्मीदवार को नीचे उल्लिखित निर्देश सावधानी से पढ़ लेने चाहिए। किसी भी निर्देश का उल्लंघन करने पर उम्मीदवार को मिलने वाले अंकों में कटौती, उम्मीदवारी रद्द, आयोग के परवर्ती परीक्षाओं के लिए वर्जित करने इत्यादि के रूप में दण्डित किया जा सकता है।</p>	<p style="text-align: center;">Important Instructions</p> <p>Candidate should read the undermentioned instructions carefully. Violation of any of the following instructions may entail penalty in the form of deduction of marks, cancellation of candidature, debarment from further Examination of the Commission etc.</p>
1	<p>(क) अपना पंजीकरण सं. एवं अन्य विवरण केवल प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) में उम्मीदवार के लिए निर्धारित स्थान पर ही लिखें।</p> <p>(ख) इस पुस्तिका में अन्यत्र कहीं भी अपना नाम, पंजीकरण सं., मोबाइल नं., पता अथवा प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) संख्या न लिखें जिससे आपकी पहचान का खुलासा हो।</p>	<p>(a) Write your Registration Number and other details only in the space provided in the Question-Cum-Answer (QCA) Booklet for candidates.</p> <p>(b) Do not disclose your identity in any manner such as, by writing your Name, Registration number, Mobile number, Address, Question-Cum-Answer (QCA) Booklet No. etc. elsewhere in the Booklet</p>
2	<p>अपनी क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कहीं भी प्रश्नों के वास्तविक उत्तर के अतिरिक्त कुछ न लिखें जैसे कि कोई कविता/दोहा, अभद्र या अपमानजनक अभिव्यक्ति इत्यादि और न ही कोई ऐसा चिन्ह/निशान बनाएं जिसका उत्तर से सम्बन्ध न हो।</p>	<p>Do not write in the QCA Booklet anything other than the actual answer such as couplet, obscene, abusive expression etc., nor put any sign/mark having no relevance to the answer.</p>
3	<p>परीक्षक को प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से कोई भी प्रार्थना/धमकी भरी बातें न लिखें।</p>	<p>Do not make any direct/indirect appeal/threat to the examiner.</p>
4	<p>उत्तर अस्पष्ट अथवा गंदी लिखावट में न लिखें। इस प्रकार के उत्तर का मूल्यांकन नहीं भी किया जा सकता है।</p>	<p>Do not write answers in bad/illegible handwriting. Such answers may not be evaluated.</p>
5	<p>उत्तर स्याही में ही लिखें। उत्तर लिखने के लिए पेंसिल का उपयोग न करें, हालांकि आरेख, चित्र इत्यादि बनाने के लिए पेंसिल का उपयोग किया जा सकता है।</p>	<p>Write answers in ink only. Do not use pencil for writing the answers. However, pencil may be used for drawing diagrams, sketches, etc.</p>
6	<p>प्रवेश पत्र में उल्लेख किए गए माध्यम के अलावा अन्य किसी माध्यम में उत्तर न लिखें। अधिकृत और अनधिकृत की मिली जुली भाषा का भी उपयोग न करें।</p>	<p>Do not write answers in medium other than the authorized medium in the Admission Certificate. Do not use mixed language either i.e. authorize and unauthorized media together for writing answers.</p>
7	<p>प्रश्नों के उत्तर ठीक उसके नीचे दिए गए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। निर्धारित स्थान के अलावा किसी अन्य स्थान पर लिखे गए उत्तर का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।</p>	<p>Write answer at the specific space (right below the question) only. Answers written elsewhere at unspecified places in the booklet shall not be evaluated.</p>
8	<p>यदि आप अपने किसी उत्तर को रद्द करना चाहते हैं तो उसे पेन से काट दें तथा उस पर "रद्द" लिख दें, अन्यथा उसका मूल्यांकन किया जा सकता है।</p>	<p>If you wish to cancel any work, draw your pen through it and write "Cancelled" across it, otherwise it may be valued.</p>



VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION
ABHYAAS MAINS

निबंध

निर्धारित समय: तीन घंटे

टेस्ट कोड : 3128

अधिकतम अंक: 250

प्रश्न-पत्र संबंधी विशेष अनुदेश

(प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें)

प्रवेश-पत्र में प्राधिकृत माध्यम में निबंध लिखना आवश्यक है तथा इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर करना आवश्यक है। प्राधिकृत माध्यम के अलावा अन्य माध्यम में लिखे गए उत्तरों पर अंक नहीं दिए जाएँगे।

प्रश्नों के उत्तर निर्दिष्ट शब्द-संख्या के अनुसार होने चाहिए।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए किसी पृष्ठ व पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिए।

ESSAY

Time Allowed : Three Hours

Test Code : 3128

Maximum Marks : 250

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

The ESSAY must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

World limit, as specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

खंड A और B प्रत्येक से एक-एक विषय चुनकर दो निबंध लिखिए, जो प्रत्येक लगभग 1000-1200 शब्दों में हो :

Write **two** essays, choosing **one** topic from each of the Sections A and B, in about 1000-1200 words each : 125 x 2 = 250

खण्ड – A / SECTION – A

1. विश्व को एक साथ मिलकर कार्य करना सीखना होगा अन्यथा यह कार्य ही नहीं करेगा।
The world must learn to work together, or finally it will not work at all.
2. कला की भांति प्रौद्योगिकी भी मानवीय कल्पना का एक उत्कृष्ट अभ्यास है।
Technology, like art, is a soaring exercise of the human imagination.
3. हमने बेटियों को बेटों की तरह पालना तो शुरू कर दिया है लेकिन, कुछ ही लोगों में अपने बेटों को अपनी बेटियों की तरह पालने का साहस है।
We've begun to raise daughters more like sons, but few have the courage to raise our sons more like our daughters.
4. लोगों की इच्छा अन्याय को न्याय नहीं बना सकती है।
The will of the people cannot make just that which is unjust.

खण्ड – B / SECTION – B

5. किसी विचार को स्वीकार किए बिना उसपर विचार करने में सक्षम होना ही शिक्षित मस्तिष्क की पहचान है।
It is the mark of an educated mind to be able to entertain a thought without accepting it.
6. एक ऐसी दुनिया में, जो लगातार तुम्हें कुछ और बनाने का प्रयास कर रही है, स्वयं को बनाए रखना सबसे बड़ी उपलब्धि है।
To be yourself in a world that is constantly trying to make you something else is the greatest accomplishment.
7. हम चीजों को वैसा नहीं देखते हैं जैसी कि वे होती हैं, बल्कि हम उन्हें वैसा देखते हैं जैसे कि हम हैं।
We don't see things as they are, we see them as we are.
8. सच जब तक अपने जूते पहन रहा होता है, झूठ तब तक आधी दुनिया का सफ़र तय कर लेता है।
A lie can travel half way around the world while the truth is putting on its shoes.

खण्ड - A / SECTION - A

1. विश्व को एक साथ मिलकर कार्य करना सीखना होगा अन्यथा यह कार्य ही नहीं करेगा।

The world must learn to work together, or finally it will not work at all.

2. कला की भांति प्रौद्योगिकी भी मानवीय कल्पना का एक उत्कृष्ट अभ्यास है।

Technology, like art, is a soaring exercise of the human imagination.

3. हमने बेटियों को बेटों की तरह पालना तो शुरू कर दिया है लेकिन, कुछ ही लोगों में अपने बेटों को अपनी बेटियों की तरह पालने का साहस है।

We've begun to raise daughters more like sons, but few have the courage to raise our sons more like our daughters.

4. लोगों की इच्छा अन्याय को न्याय नहीं बना सकती है।

The will of the people cannot make just that which is unjust.

①

The World must learn to work together, or
finally it will not work at all.

Ah! what a hot day it is. The temperature is soaring like anything. Today it has touched a new maximum and set a new record. The expressions like this are quite common now a days. We all are experiencing the wrath of climate change. What has caused this is 'Global Warming'.

It is high time when the whole world needs to work together, otherwise we will not be able to live at all. Climate Change and Global Warming are not ^{the} only issues.

There are plenty of issues which are grappling the world in today's time like security issues, cross border terrorism, cyber warfare, rising ethnic violence, war and turmoil etc. All these problems need our concerted efforts, otherwise we won't be able to get along all this for a longer period.

Now, let us try to understand why we need to learn to work together in tackling all these problems. If we talk about climate change then it is 'looming existential crisis' in which the rising temperature is causing serious problems.

The cases of extreme weather events like

torrential rainfalls, cloud burst, heatwaves, increased emission leading to air pollution amplified by changing wind pattern. All these are threat to human kind. We must collaborate with all means to stop this.

We can't see problems faced by one country in isolation because atmosphere, hydrosphere and lithosphere are shared resources.

Although, humans for their benefit have drawn artificial boundaries to demarcate their boundaries ~~and so~~ but ultimately the resources provided by mother nature is for all on equitable basis.

A recent study conducted by IIT Delhi in which it was seen that the air mass over entire North India and Pakistan is same. To curb air pollution we both need to work together and this pollution issue can't be solved if working in silos.

To fight against all these odds we have developed several mechanisms and bodies. The concept of climate financing, a separate body to deal with this like UNFCCC and several protocols like Kyoto and Paris have proved to be a bit beneficial in our endeavour to fight climate change. The recent institutionalization of Loss & Damage Fund and the Global Stocktake at COP28 is the testament for this.

Global warming and climate change is not the only problem being faced by the world today. Problems like migration, refugee crisis is present all around.

Increasing number of war torn countries and civil war. Let us now try to dissect the security issues and problems caused by such turmoil. See, if we look from a parochial view, then we can say that

Internal conflict, ethnic conflict all these are because of internal problem of a country. But looking from a vantage point, it is quite evident that it is not a problem for a particular region or a country rather it is a humanitarian crisis.

For instance, take the case of food insecurity. If food insecurity is present, it will lead to first conflict and then migration. Migration can be both internal and external. If internal then 'Son of the Soil' doctrine, infighting, class conflict etc. come into the picture. If external then racial discrimination, no basic human rights, fear of deportation, incarceration are the challenges. The migrant and refugee crisis is

leading to disruption in western world like

USA, Canada and Europe. They are coming with strict rules and laws. The 'Rawanda

Plan' by U.K. is one such example.

Similarly, the stringent H1B visa regime,

Capping the number of foreign students are

Other example.

For more clarity, there is a theory by one of the 'structuralist functionalist' Radcliffe

Brown that society is like organ system of our body. Each social institution is placed

with respect to each other to perform a certain

function. If there is a disruption in any

one of this then there will be disruption

all around. This is what happening in

today's world. We are not very much

concerned about others and self interest

and individualism is driving us.

From individual perspective also, if we talk about, then social capital is deteriorating in the society. Look at the case of accident, where people in place of helping the victim starts shooting / recording the video. The philosophy of 'Apna Kaam Banta' has taken the front seat. We are very much focused on self pleasure and not looking at other things. Due to our this attitude emission is also rising. Take a simple example we order food online, with it comes cutlery, tissue paper and proper packaging. All these have some carbon budget and emission. We are increasing our carbon footprint. But we see it as an isolated event that what will it cause to the planet. But if most of the people are doing this then

just look at the gigantism of the problem.

Thus, we need to work together to avoid this as well. 'Mission Life' and 'Pro Planets People'

can be a good approach regarding this.

Similarly, the issue of terrorism

is not limited to a particular country/region.

Rather it is a global menace. All the

Countries are suffering from this in one

form or another. But still we do not

have a common definition of terrorism.

Still, some countries are using their veto

Power in UNSC to protect the countries

where terrorist organisations have political

patronage. But they are not able to

understand that it will be detrimental

for them too. The recent attacks in

CPEC corridor and killings of Chinese

nationalists might have given them a lesson.

Similarly, the issue of

Organized crime like drug peddling, human trafficking is not limited to a particular country. This organised crime channel is letting to a loss of several billion to the world's economy. Also these illegal network is leading to humanitarian crisis and biodiversity loss. However, we have come up with conventions like Vienna convention for drug network. CAITIS against illegal trading of animals. Similarly, UNHCR is there for migrant crisis. But such conventions are either not legally binding or not upheld in letter and spirit.

In this discussion, the issues of cyber threat, cyber fraud, terror financing is needs to be discussed. Because

these are not confined to a particular region.

Internet is all pervasive and accessed
by anyone. These all are posing a threat

to humanity all around. With decentralisation

of internet and coming up of 'Dark Web'

such frauds are on the go. The recent

cyber attacks on AIIMS server, attack on

the Mumbai power grid are some examples.

Terror financing through cryptocurrencies and

virtual digital assets (VDAs) are other

issue which needs to be tackled as it

provides anonymity and thus freedom.

The cases of Zambada Caste for drug

peddling and Bulli Bai and Sulli Deals

are heart wrenching. We definitely need

a stronger mechanism to deal with all

these. No money for terror financing

FATF grey and black list are there. But not
very much efficient.

Similarly, the threat posed by
AI to the humanity like deep fakes, revenge
porn, election manipulation ~~is~~ is just on
the anvil and will further try to
disrupt the humanity. we need to
act fast collectively for ethical usage
of such technology. The (Global Partnership
on AI) and Bletchley Declaration are
a welcoming step.

It's not like that we have
not acted in collaboration in past. There
are several examples like Montreal
Declaration for Ozone conservation. The
formation of UN after world war and
WTO for trade facilitation. There

are several mechanism to solve our problem we have done and achieved something in past through these mechanism. But now we need a reformed multilateralism to solve the looming crisis. Otherwise, with growing inequality, vulnerability we will fall and fail in thriving this beautiful Planet Earth.

Lastly, we need to keep in mind the principle of 'Vasudhaiva Kutumbkama' i.e. ONE EARTH, ONE FAMILY AND ONE FUTURE and we must act in collaboration to protect human kind. We can learn from Ramayana that how different species helped Sri Rama in his fight against Ravana. The time has come to act in cohesion, and collaboration for a better future.

उम्मीदवारों को इस ह्राशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

खण्ड - B / SECTION - B

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

5. किसी विचार को स्वीकार किए बिना उसपर विचार करने में सक्षम होना ही शिक्षित मस्तिष्क की पहचान है।
It is the mark of an educated mind to be able to entertain a thought without accepting it.
6. एक ऐसी दुनिया में, जो लगातार तुम्हें कुछ और बनाने का प्रयास कर रही है, स्वयं को बनाए रखना सबसे बड़ी उपलब्धि है।
✓ To be yourself in a world that is constantly trying to make you something else is the greatest accomplishment.
7. हम चीजों को वैसा नहीं देखते हैं जैसी कि वे होती हैं, बल्कि हम उन्हें वैसा देखते हैं जैसे कि हम हैं।
We don't see things as they are, we see them as we are.
8. सच जब तक अपने जूते पहन रहा होता है, झूठ तब तक आधी दुनिया का सफ़र तय कर लेता है।
A lie can travel half way around the world while the truth is putting on its shoes.

⑥ To be yourself in a world that is constantly trying to make you something else is the greatest accomplishment.

dying down on a comfortable couch and scrolling the reels on the social media. It is a new kind of entertainment that we are witnessing. whole day people just scroll reels. It has become an addiction. Most of us are also addicted to it. But have we

realised that due to the strong Machine Learning algorithm that the social media has, it is trying to influence or change our behaviour. Yes, you got this right!! These social media platforms are constantly trying to make us something else.

You must have observed the rise of 'influencers', 'finfluencers' etc. These are a sort of new terms and buzz words in social media world. These all are there to play with our psyche for their benefit. Let me quote a case here the rise of finfluencers and playing with a psyche has led to loss of several crores to the investors. When SEBI looked into the matter then it found that the \$0 called 'finfluencer' was in huge loss, but he was selling courses on how to make

profit in F&O trading and people were buying it. This is the problem of 'innovative selling' when external forces starts to influence us and mould our decision making abilities.

In our discussion of this essay we will look into the forces that can influence our psyche, how we can avoid such influence, examples of leaders, countries which were not changed despite extreme influence and various other dimensions related to the topic. So, are you excited to dive deep into the topic. Let us begin :).

There is a famous psychoanalyst Sigmund Freud who has given several theories to explain the psyche of an

individual. He has given the whole explanation on how our psychology works. He explains that external forces like political ideologies, religion, peer group, media and life experiences. All these are responsible and all these collectively influence our psyche. Our human mind can be moulded very easily if someone has the capability to do it. He explains further that all our social institutions like religion, ^{language} family etc. all are our mental constructs and our mind have made all this for our benefit. There is a 'psychic unity of mankind'. Since, there is psychic unity of mankind so it is also easy to influence the thought process. Same type of mechanism is used for influencing as well all around

the world. Thus, it is very difficult to be yourself in this world and if

Someone is able to do it then certainly it is an accomplishment.

If we look at the case of India then also after all types of pressure and influence. We are able to maintain our Non-Alignment and Strategic Autonomy.

From the very beginning great powers have tried to influence us either through persuasion or coercion. But everytime,

we have maintained our stand. Panchsheel, Non-Aligned Movement are testament for this.

Recently, Eric Garcetti USA envoy to India said that "in such tough time of conflict, there is no question of strategic autonomy."

But we stand upright on our principles

and are not getting influenced by anyone.

The ~~our~~ balancing relationship with Russia

and all western world including USA

is a testament for this. Due to our

this very approach of neutrality and

impartiality we ~~are~~ ^{have} the capabilities to

solve global problem.

Similarly, if we look in the life of Gandhiji then he was not influenced

by others. He kept himself upright on

the path of Truth & Non-violence and

the result is evident in front of us.

For such a personality strong value

system is required like integrity,

dedication and strong will power.

Now the question arises how we can inculcate such values and

the ways to make our mental

the foremost thing is meditation to have
a control on all our senses (Indriyan).

Second is of Introspection (Swadhyaya)
which would give us right perspective.

Third, is to read good literatures.

In Indian philosophical system we have
upanishads which can show us the
path.

In our scriptures or religious
mythologies also there are several examples
of when Rishis (Sadhus) were on
some mission then Apsara were sent to
influence them like Mohini. There are
other several instances of influence like
we look at politics now a days. Then
all political parties are there to
set a narrative and change our

perspective. The casebization of politics and politicization of caste is a good example. As MN Srinivas said these parties have augmented the caste in the psyche of an individual. Now, we are so much influenced by this that we have developed acronyms for this like MY, AGAR, PDA etc. This shows the extent of influence.

Similarly, these influences are destroying the social capital and social fabric. The rise in ethnic violence, religious violence, comment on food habit, dressing habit and intolerance rising are such examples. These all are increasing because our mental model is getting influenced by ideologies.

In this ideology to propagate media,
social media all are responsible.

The new concepts of surrogate advertisement
etc. are all influencing our psyche.

The increasing crime against
women and the cases of rape,
public flashing, vulgarity all are
rising because we are getting influenced.

Since, our society is literate but not
educated we are unable to make
the difference between right and
wrong. Leading to belief in misinfor-
mation, disinformation like chip in
₹ 2000 note & UPSC Jihad by Sudarshan
news. The rise in hate speech &
mob lynching all are because of
influence.

But is it like we should never try to change ourselves. This is not the case always. There are several positive changes due to external influences always present. Like take the role of Jija Bai in influencing Shivaji and the rest is history. Similarly, Gokhale role in Gandhi's life where he asked him or rather influenced him to understand the problem first through travel all around and see the change in Gandhi's personality and the effect of such change on our freedom struggle. As struggle which was confined to educated middle class turned into a mass movement. All this is because positive influence.

Several other examples like ~~Buddha~~ Siddhartha turning to Buddha. Our parochial mindsets of untouchability and discrimination is also changing slowly due to positive influence of education, industrialization and globalization. Similarly, the rise in sustainable practises is also the case of positive influence. So, it is not always the situation that influence is bad or something. It depends upon person to person.

Lastly, to conclude we can say that we need to differentiate between what is right and what is wrong for ourselves. Since, human is a rational human being as per

Socrates. So, we need to question
everything before following or
getting influenced by something. If
something is ~~for~~ for our benefit then
we must endure otherwise discard
it. Lastly, it is indeed an
accomplishment if we see ourself
despite several influences present all
around.

VisionIAS

SPACE FOR ROUGH WORK

The world must learn to work together, or finally it will not work at all.

- ✓ Ah! what a hot day; it is temp. is soaring like anything (75°C).
- ✓ Climate change and collaboration required to deal with it.
 - Loss & Damage
 - CBDR
 - Climate Protocols
 - Tech Transfer CDR1, CDR2
- ✓ War and conflict hidden areas in the world if leading to this → Vasudhaiva Kutumbakam Principle, otherwise tear apart.
- ✓ Rise in conflict all around, whether it is ethnic, religious, linguistic etc.
- ✓ Security issues of the world like armed rebellion in one part
- ✓ Problems should not be seen in isolation, all are interconnected.
- ✓ Radcliffe Brown idea of Society compared with organ of the body.
- ✓ Rise of challenge of AI, cyber fraud, dark web, organised crime, UDAs etc.
- ✓ Dis pollution → study that same air mass over entire N. India & Pakistan.
- ✓ Myanmar conflict now China.
- ✓ Multilateralism issue, which need reform from all sides.
- ✓ depleting moral standards of the people & rising crime rates.
- ✓ Refugee / migrant crisis ✓
- ✓ Stellar example → Montreal Protocol → O₃ layer.
 → DMA, GDPR, AI act of EU
- ✓ Need of the hour → reforms needed, collaboration, CBDR, Vasudhaiva Kutumbakam
 - UN
 - WTO
 - FATF
 - No money for terror

SPACE FOR ROUGH WORK

To be yourself in a world that is constantly trying to make you something else is the greatest accomplishment. ✓

Feels scrolling on ~~in~~ Social Media, getting filtered videos on a particular subject due to algorithm. Rise of influencer marketing, influencer is the current trend that we are witnessing all around. Maximize selling is all around try to change or psychology. ✓

→ Psyche of individual is influenced by several factors as said by Sigmund Freud. This psychoanalysis of human mind has also given us several truth & complexity. The culture, religion, various social institution are all based on this mental model of human beings. ✓

→ India & role of western power to change its role. Even Strategic Autonomy (Emmanuel Kant)

~~But~~ Mohini etc to dissuade Rishis from their meditation.
Gandhiji pressure to change the stance.

Other side → It is not always that change is something which is not embraced. ✓
Several changes are required to reshape better life. Impact of Gokhale on Gandhi's life, Jeeja Bai on Shivaji, Religion role, technology role, Parochial to universal view, liberal thought process.

We need Rational Minds to differentiate between both this form of war

is important or not. (Emmanuel Kant)

SPACE FOR ROUGH WORK

AL

VisionIAS